MAHD-02

June - Examination 2018

M.A. (Previous) Hindi Examination

Adhunik Kavya

आधुनिक काव्य

Paper - MAHD-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : खण्ड अ, ब और स में विभाजित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में उत्तर को सीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(i) 'नहुष' और 'विष्णुप्रिया' खण्डकाव्य के रचयिता कवि का क्या नाम है?

(ii) ''स्नेह–निर्झर बह गया है, रेत ज्यों तन रह गया है।'' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(iii) महादेवी वर्मा द्वारा रचित किन्हीं दो काव्य–संकलनों के नाम बताइए।

(iv) दिनकर कवि शक्ति और पुरुष के कवि क्यों माने जाते है?

(v) हरिवंशराय बच्चन किस काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि माने जाते हैं? उनकी दो काव्य रचनाएँ कौन–कौनसी हैं?

(vi) 'आज के बिछुड़े न जाने कब मिलेंगे' गीत नरेन्द्र शर्मा के कौनसे काव्य संकलन में संकलित है?

(vii) 'असाध्यवीणा' कविता में वीणा का निर्माण किस पेड़ से हुआ? नाम बताइए।

(viii) 'साये में धूप' गजल संग्रह के वर्ण्य विषय को संक्षिप्त में स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड – ब) **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्न में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द और प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का हैं।

2) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

ओ चिन्ता की पहली रेखा,
अरी विश्व वन की व्याली।
ज्वालामुखी स्फोट के भीषण,
प्रथम कंप सी मतवाली ।।
हे अभाव की चपल बालिके,
री ललाट की खल लेखा।
हरी–भरी सी दौड़–धूप,
ओ जलमाया की चल रेखा।।

3) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

शव को दे हम रूप, रंग, आदर मानव का
मानव को हम कुत्सित चित्र बनादें शव का?
युग–युग के मृत आदर्शों के ताज मनोहर
मानव के मोहांध्र हृदय में किए हुए घर।
भूल गए हम जीवन का संदेश अनश्वर,
मृतकों के हैं मृतक, जीवितों का है ईश्वर।

4) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''कहाँ गया धनपति कुबेर वह
कहाँ गई उसकी वह अलका
नहीं ठिकाना कालीदास के
व्योम प्रवाही गंगाजल का,
ढूँढा बहुत परन्तु लगा क्या
मेघदूत का पता कहीं पर
कौन बताए वह छायामय
बरस पड़ा होगा न यहाँ पर
जाने दो, वह कवि कल्पित था,
मैंने तो भीषण जाड़ों में
नभ–चुम्बी कैलाश शीर्ष पर
महामेघ को झंझानिल से
गरज–गरज भिड़ते देखा है
बादल को घिरते देखा है।''

5) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला के काव्य 'संध्या सुन्दरी' में प्रकृति का मानवीकरण किस प्रकार हुआ है? स्पष्ट कीजिए।

6) महादेवी वर्मा के काव्य में विद्यमान प्रेम और वेदानुभूति पर प्रकाश डालिए।

7) दुष्यन्त कुमार के गजल संग्रह 'साये में धूप' का आज के परिवेश में मूल्यांकन कीजिए।

8) रघुवीर सहाय की कविताएँ ''भारत में कानून व्यवस्था की अराजकता एवं शासन की नपुसंकता को व्यक्त करती हैं।'' 'रामदास' कविता के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए।

9) पंत के काव्य में प्रकृति–निरूपण को अभिव्यक्त कीजिए।

(खण्ड – स) **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) कवि जयशंकर प्रसाद के काव्य के अनुभूति और शिल्प पक्ष का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

11) अज्ञेय की लम्बी कविता 'असाध्य वीणा' की कथा का परिचय देते हुए उसके भाव और कला सौन्दर्य का उद्घाटन कीजिए।

12) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला के काव्य में विषय–वैविध्य का सोदाहरण निरूपण कीजिए।

13) निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए। प्रत्येक टिप्पणी 8 अंकों की है।

क) मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में राष्ट्रीयता
ख) दिनकर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व परिचय
ग) नागार्जुन की कविता में विद्रोह एव व्यंग्य का स्वर
घ) प्रयोगवाद में कवि अज्ञेय का योगदान